	Part A- Introduction				
Pro	ogram: Degree	Class: B.A./ B.Sc./ B.Com.	Year - III	Session: 2023-24	
	Subject- Foundation Course				
1	Course Code	X3-FCAC1T			
2	Course Title	Personality Development and Character Building			
3	Course Type	Ability Enhancement Compulsory Course			
4	Pre-requisite (if any)	Compulsory for all Students			
5	Course Learning outcomes (CLO)	 Students will acquire the conceptual knowledge of Personality Development. Students will develop insight into character building. Students will be able to become global visionary citizens. Students will be able to understand Indian knowledge tradition. Students will be able to understand the difference between nature, culture and distortion. This course will help in character building and overall development of personality of the students. 			
6	Credit Value	1 3	2		

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures + Practical (in hours per week): L-1 Hr / P-1 Lab Hr (=2 Hrs)

Total No. of Lectures/ Practical: L-30 /P-0 (30 Hrs)

Unit	Topics		
	T ···	No. of lectures	
		(Total 30)	
	Personality development (Physical, mental, intellectual and spiritual		
	development) meaning, concept, factors of personality development.	06	
1	Character building (personal and national character): Meaning, concept,	Theoretical	
	factors of character and means of character building.		
	Panchkosha, Annamaya Kosha, Pranamaya Kosha, Manomaya Kosha,	04	
	Vigyanmaya Kosha and Anandamaya Kosha general introduction meaning	Experiential	
	purpose and importance.		
	Benefits of Panchkosh development and means of developing Panchkosh.		
2	Physical and mental development		
2	Meaning, concept of physical and mental development	06	
	Ideal daily routine, balanced diet, routine, subtle exercise	Theoretical	
	Ashtanga Yoga-Yama Niyam, Ishwar Pranidhan, self-study, contentment,		
	patience, virtue, practice of discipline.	04	
	Past glory, social and citizenship awareness, equal respect to all sects and	Experiential	
	scientific outlook		
	Nation, Nationality, Democracy, Independence, Suraj, Vasudhaiva		
	Kutumbakam, Coexistence.		

	Moral and mental development	
2	Difference among happiness, joy and pleasure.	
3	Ashtanga Yoga, Pranayama, Pratyahara, Dharana, Dhyana, Samadhi.	
	• Continuity of Karmayoga, Bhaktiyoga, Jnanayoga in life according to one's	06
	own will	Theoretical
	• Indian time calculation.	0.4
	Self-respect and contemplation of mother tongue and Indian knowledge	04
	tradition.	Experiential
	Biographies of Legends.	
	• Practice of service, tolerance, charity, dedication and self-examination. Self	
	reliance	

Part C- Learning Recourses

Text Books, Reference Book, Other resources

Suggested Readings:-

- 1- उच्च शिक्षा भारतीय दृष्टि- श्री अतुल कोठारी
- 2- अदम्य साहस डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
- 3- व्यक्तित्व विकास स्वामी विवेकानंद रामकृष्ण मिशन
- 4- आत्मतत्व का विस्तार श्रुतम प्रकाशन जोधपुर
- 5- भारतीय मनोविज्ञान श्री लज्जाराम तोमर
- 6- उपनिषद विशेषांक गीता प्रेस गोरखपुर
- 7- भारतीय ज्ञान परम्परा वोध हिंदी ग्रंथ अकादमी म.प्र.

Suggested digital platforms web links:-

Prof. H.K. Magaich

	भाग – अ परिचय					
क	ार्यक्रम– उप	नाधि Class:	B.A. / B.Sc./ B.Com.	वर्ष तृतीय वर्ष	स्त्र 2023-24	
			विषय— आधार पाठ्य	क्रम		
1	पाठ्यक्रम व	मा कोड	X3-FCAC1T			
2	पाठ्यकम व	का शीर्षक	व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण			
3	पाठ्यक्रम का प्रकार योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम			ग्रकम		
4	पूर्वापेक्षा सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य			वार्य		
5		अध्ययन की (कोर्स लर्निग	 विद्यार्थी व्यक्तित्व विकास का ज्ञान अर्जित करेगें। विद्यार्थियों चिरत्र निर्माण की अंतर्वृष्टि विकसित करेंगे । विद्यार्थी वैश्विक दृष्टि प्राप्त नागरिक बन सकेंगे । विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परम्परा को समझने में सक्षम होंगे । विद्यार्थी प्रकृति, संस्कृति और विकृति के अंतर को समझ सकेंगे । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के चिरत्र निर्माण और व्यक्तित्व के समग्र विकास में सहायक होगा। 			
6	केडिटमान			2		
	भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु					
	व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल–प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घण्टे में)					
	इकाई		विषय		व्याख्यान की संख्या (30)	
		विकास) अ	वेकास (शारीरिक, मानसिक, बं र्थ, अवधारणा, व्यक्तित्व विकास के	कारक तत्व ।	ात्मिक	

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (30)	
	• व्यक्तित्व विकास (शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास) अर्थ, अवधारणा, व्यक्तित्व विकास के कारक तत्व ।		
1	चरित्र निर्माण (व्यक्तिगत एवं राष्ट्रीय चरित्र) अर्थ, अवधारणा, चरित्र के कारक तत्व तथा चरित्र निर्माण के साधन।	06 सैद्धांतिक	
	 पंचकोष, अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष एवं आनंदमय कोष सामान्य परिचय अर्थ उद्देश एवं महत्व। 	04 व्यावहारिक	
	पंचकोष विकास के लाभ तथा पंचकोष विकसित करने के साधन।		
	 शारीरिक एवं मानसिक विकास 		
	 शारीरिक एवं मानसिक विकास के अर्थ, संकल्पना 		
	 आदर्श दिनचर्या, संतुलित आहार, ऋतुचर्या, सूक्ष्म व्यायाम 		
2	अष्टांग योग—यम नियम, ईश्वर प्राणिधान, स्वाध्याय, संतोष धैर्य, सदाचार, अनुशासन का अभ्यास।	06 सैद्धांतिक 04 व्यावहारिक	
	अतीत गौरव, सामाजिक एवं नागरिकता बोध, सर्वपंथ समादर एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण		
	• राष्ट्र, राष्ट्रीयता, लोकतंत्र, स्वाधीनता, सुराज, वसुधैव कुटुम्बकम, सह अस्तित्व ।		

	 नैतिक और आत्मिक विकास । 		
	• सुख, प्रसन्नता और आनंद में अंतर ।		
	• अष्टांग योग, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि ।		
	• कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञानयोग की जीवन में स्वेच्छानुसार निरंतरता	06 सैद्धांतिक	
3	● भारतीय काल गणना ।	04 व्यावहारिक	
	 मातृभाषा और भारतीय ज्ञान परम्परा का स्वाभिमान और चिंतन। 		
	 महापुरूषों का जीवन चरित्र पठन । 		
	● सेवा, सहिष्णुता, परोपकार, समर्पण और आत्मपरीक्षण का		
	अभ्यास, स्वाबलंबन ।		

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठयपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें:--

संदर्भ ग्रंथ सूची -

- 1- उच्च शिक्षा भारतीय दृष्टि- श्री अतुल कोठारी
- 2- अदम्य साहस डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
- 3- व्यक्तित्व विकास स्वामी विवेकानंद रामकृष्ण मिशन
- 4- आत्मतत्व का विस्तार श्रुतम प्रकाशन जोधपुर
- 5- भारतीय मनोविज्ञान श्री लज्जाराम तोमर
- 6- उपनिषद विशेषांक गीता प्रेस गोरखपुर
- 7- भारतीय ज्ञान परम्परा वोध हिंदी ग्रंथ अकादमी म.प्र.

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म बेव लिंकः

Prof. H.K. Hagaich